शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, इन्दौर

फोन / फैक्स 0731-2411696 ई-मेल : hegngpgckind@mp.gov.in, mlbgpgindore@gmail.com

NAAC Reaccredited 2019: B+ Grade

आयोजक – पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

डॉ. चंदा तलेरा जैन
(प्राचार्य और संरक्षक)

श्रीमती शोखी गुप्ता
(सह–संयोजक)

कार्यशाला

"पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष"

डॉ. निशा मोदी
(विभागाध्यक्ष और संयोजक)

श्री रविकांत सेन
(ग्रंथपाल)

"पुस्तकों सी शख्सियत मुझे दे दे, ऐ मेरे खुदा....
खामोश भी रहूँ और सब कुछ बयाँ भी कर दूँ"....

ज्ञान रूपी मंदिर की मूरत पुस्तकालय है । विद्यार्थी पौधा रूप होते हैं । पुस्तकालय प्रबंधक एक तरह से माली होता है, जो विद्यार्थी रूपी पौधे को पाल–पोस कर एक वृक्ष में रूपांतरित कर देता है ।

प्रायोजक – म.प्र. उच्चशिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित)

दिनांक	समय	स्थान
09-01-2023 से 14-01-2023	12 से 4 बजे	वर्चुअल कक्ष

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, इन्दौर
फोन/फैक्स 0731-2411696 ई-मेल : hegngpgckind@mp.gov.in, mlbgpgindore@gmail.com
NAAC Reaccredited 2019: B+ Grade

कार्यशाला

"पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष"

दिनांक : 09-01-2023 से 14-01-2023

स्थान : वर्चुअल कक्ष

डॉ. जी.डी. अग्रवाल
(सेवानिवृत्त रीजनल ग्रंथपाल, इन्दौर)

डॉ. स्वर्णलता चतुर्वेदी
(सेवानिवृत्त ग्रंथपाल, इन्दौर)

डॉ. बी.के. तिवारी
(ग्रंथपाल)
जीएसआईटीएस, इन्दौर

डॉ. किशोर जॉन
(प्राध्यापक)
मध्य प्रदेश भोज मुक्त
विश्वविद्यालय, भोपाल

डॉ. राकेश खरे
(ग्रंथपाल)
वीन्द्रनाथ टैगौर विश्वविद्यालय, भोपाल

डॉ. महेन्द्र कुमार
(सहायक प्राध्यापक)
डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर

डॉ. आज़ाद हसन
(ग्रंथपाल)
भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नाकोत्तर
महाविद्यालय, महू

श्री रविकांत सेन
(ग्रंथपाल)

श्रीमती शोखी गुप्ता
(सह-संयोजक)

डॉ. निशा मोदी
(विभागाध्यक्ष और संयोजक)

डॉ. चंदा तलेरा जैन
(प्राचार्य और संरक्षक)

आयोजक
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

प्रायोजक
म.प्र. उच्चशिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना
(विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित)

प्रति,

प्राचार्य,

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर
कन्या महाविद्यालय किला भवन, इंदौर

विषय:- विश्व बैंक म. प्र. गुणवत्ता सुधार परियोजना के अंतर्गत कार्यशाला करने की अनुमति हेतू।

महोदय,

उपरोक्त सन्दर्भ में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 09 -01 -2023 से 14-01-2023 तक कार्यशाला आयोजित की जाना है ,जिसका विषय "पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष" तय किया गया है । जिसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञ छात्राओं के अकादमिक उन्नयन के लिए मार्गदर्शन देगें ।

आपसे अनुरोध है कार्यशाला सम्पन्न करवाने की अनुमति प्रदान कर अनुग्रहित करें।

धन्यवाद

21. 12. 2022

विभागाध्यक्ष एवं सयोजक
डॉ निशा मोदी
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

नियमानुसार अनुमति
प्राचार्य ...२.२२.
शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई
... कन्या महाविद्यालय,
किला भवन, इन्दौर

समय–सारणी

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, इन्दौर

फोन/फैक्स 0731–2411696 ई–मेल : hegngpgckind@mp.gov.in, mlbgpgindore@gmail.com

NAAC Reaccredited 2019: B+ Grade

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

कार्यशाला– पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष

09-01-2023 से 14-01-2023

समय : 12 से 4 बजे

क्रमांक	दिनांक	वक्ता का नाम	शीर्षक
01	09-01-2023 (उदघाटन सत्र)	डॉ. जी.डी. अग्रवाल	पुस्तकालय भवन के विभिन्न विभाग
02	10-01-2023	डॉ. स्वर्णलता चतुर्वेदी	पुस्तकालय में पुस्तक का चयन एवं अधिग्रहण
03	11-01-2023	डॉ. बी.के. तिवारी	पुस्तकालय में भौतिक सत्यापन
04	12-01-2023 (Online)	डॉ. किशोर जॉन	पुस्तकालय के तकनीकी एवं आदान–प्रदान विभाग
05	12-01-2023 (Online)	डॉ. राकेश खरे	पुस्तकालय में कम्प्यूटर का उपयोग
06	13-01-2023 (Online)	डॉ. महेंद्र कुमार	पुस्तकालय पेशेवर कौशल विकास
07	14-01-2023 (समापन सत्र)	डॉ. आज़ाद हसन	पत्रिकाओं का चयन एवं N-LIST

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय
किला भवन, इंदौर
NAAC Reaccredited 2019: B+ Grade

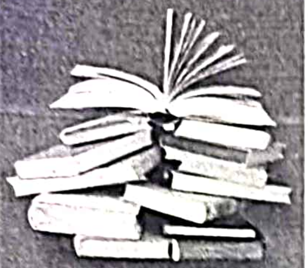

आयोजक
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

कार्यशाला
पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष

प्रमाण पत्र

दिनांक 09-01-2023 से 14-01-2023

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ....की "पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष" कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी रही।

हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

Nmodi
डॉ. निशा मोदी
(संयोजक एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ. चंदा तलेरा जैन
(प्राचार्य और संरक्षक)

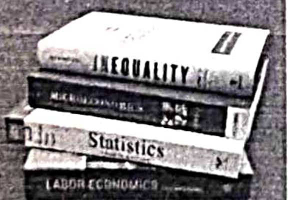

प्रायोजक
म.प्र. उच्चशिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित)

रिपोर्ट

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा "पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष" पर छः दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ की गई। (दिनांक 09.01.23 से 14.01.23) कार्यशाला म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित) एवं आई. क्यू. ए. सी. के द्वारा प्रायोजित की गई।

कार्यशाला के उद्देश्य–

पुस्तकालय की आत्मा **प्रबंधन** को कहा जाता है। प्रत्येक पुस्तकालय को कई विभागों में बॉटा गया है। प्रत्येक विभाग प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष की जानकारी से विद्यर्थियों को अवगत करवाना कार्यशाला का प्राथमिक, मूल उद्देश्य है।

वर्तमान आधुनिक युग सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी का हैं इसमें पुस्तकालय में कम्प्यूटर तकनीकी का व्यावहारिक ज्ञान देना।

परम्परागत पुस्तकालय से वर्चुअल लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी, इलेक्ट्रानिक लाइब्रेरी, क्लाउड लाइब्रेरी की विचारधारा से अवगत कराना है।

अंतिम और प्रमुख उद्देश्य है, विद्यर्थियों को रोजगारन्मुखी अवसर प्रदान करना।

"पुस्तकालय प्रबंधन के व्यावहारिक पक्ष" कार्यशाला की समय सारणी को छः दिवस में विभाजित किया गया है। जिसमें सात व्याख्यान दिये जाना प्रस्तावित है।

विषय विशेषज्ञ के चयन में ध्यान रखा गया है कि वह ग्रंथपाल पद के अनुभव प्राप्त विषेशज्ञ हो और अध्यापन के क्षेत्र से जुडे विषेशज्ञ हों। इससे छात्राओं को दोनो क्षेत्रों का व्यावहारिक और सैद्वांतिक ज्ञान प्राप्त होगा।

समय सारणी निम्नांकित है–

कं.	दिनॉक	वक्ता का नाम	शीर्षक
1	09/01/23	डॉ. जी.डी. अग्रवाल (ग्रंथपाल)	पुस्तकालय के विभिन्न विभाग
2	10/01/23	डॉ. आजाद हसन (ग्रंथपाल)	पत्र पत्रिकाओं का चयन एवं N-LIST
3	11/01/23	डॉ बी.के तिवारी (ग्रंथपाल)	पुस्तकालय में भौतिक सत्यापन
4	12/01/23	डॉ. किशोर जॉन (प्रोफेसर)	पुस्तकालय के तकनीकी एवं आदान प्रदान विभाग
5	12/01/23	डॉ. राकेश खरे (ग्रंथपाल)	पुस्तकालय में कम्प्यूटर का उपयोग
6	13/01/23	डॉ. महेन्द्र कुमार (सहा.प्रा.)	पुस्तकालय में पेशेवर कौशल विकास
7	14/01/23	डॉ. स्वर्णलता चर्तुवेदी (रिटा. ग्रंथपाल)	पुस्तकालय में पुस्तक चयन और अधिग्रहण

कार्यशाला के प्रथम दिवस 09/01/23 को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चंदा तलेरा जैन मैडम, मुख्य अतिथी डॉ. जी. डी. अग्रवाल, संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. निशा मोदी द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ माँ सरस्वती के माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से किया गया। आयुषी मालवीय, सोनिया वर्मा एवं सपना जामोद छात्राओं ने सरस्वती वंदना का गान किया। प्राचार्य मैडम ने अपने उद्भोदन में साहित्य और समाज का महत्व बताया और विभाग को कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनायें दी।

उद्घाटन समारोह के उपरांत प्रथम वक्ता डॉक्टर जी डी अग्रवाल ने पुस्तकालय विज्ञान के विभिन्न विभाग पर अपना व्याख्यान दिया आपने कहा किसी भी शिक्षण संस्थान का हृदय स्थल पुस्तकालय होता है जो केंद्र में स्थित होना चाहिए। पुस्तकालय विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास उद्भव की विस्तृत व्याख्या की। इन्होने पुस्तकालय को एक विषय विज्ञान के रूप में सर्वप्रथम परिभाषित करनें वाले डॉ– एस. आर. रंगनाथन द्वारा प्रतिपादित पुस्तकालय विज्ञान के पॉच सूत्रों की अवधारणा की व्याख्या की जो आज भी पुस्तकालय विज्ञान की संरचना की नींव है।

डॉ अग्रवाल, ने बताया पुस्तकालय विज्ञान का भवन कैसा हो, इसके साथ नौ विभागों का उल्लेख किया जिसमें महत्वपूर्ण अधिग्रहण विभाग, पुस्तकों का चयन, तकनीकी विभाग, इसमें वर्गीकरण एवं सूचीकरण आदान–प्रदान विभाग, संदर्भ विभाग, पत्र–पत्रिका विभाग, संरक्षण विभाग, रिप्रोग्राफी विभाग इत्यादि पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ अग्रवाल, ने पुस्तकालय त्रिमूर्ति ग्रंथपाल, स्टाफ और पुस्तक के संयुक्त रूप का महत्व बताया।

एक नई अवधारणा "हुमन लाइब्रेरी" से भी छात्राओं को परिचित कराया। व्याख्यान के अंत में छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस 10/01/23 को डॉ– आजाद हसन, जो ग्रंथपाल और सहायक प्राध्यापक पद पर कार्यरत हैं ने पत्रिकाओं के चयन और लिस्ट पर व्याख्यान दिया डॉ आजाद ने इसी पुस्तकालय के अंदर पुस्तकालय जैसी उक्ति से एक कठिन टॉपिक की आसान सरल भाषा में व्याख्या की।

आपने पुस्तक और पत्र–पत्रिकाओं को परिभाषित कर इनमें अंतर भी बताया। पत्रिका एक निश्चित समय विधि में प्रकाशित होती है पत्रिकाओं का चयन, भुगतान की नियमावली के बारे में बताया, आधुनिक काल में पत्रिकाओं के ई स्त्रोत एवं रिमोट ,क्सेस नई अवधारणा को भी जानकारी दी।

वर्तमान में प्रचलित N–LIST की जानकारी इंटरनेट के माध्यम से देते हुए डॉ आजाद ने व्यावहारिक तरीके से समझाया इसमें यूजर आईडी, पासवर्ड, सर्च, डाउन लोडिंग सभी को विस्तारपूर्वक समझाया।

डॉ आजाद ने एक और महत्वपूर्ण पक्ष का उल्लेख अपने व्याख्यान में किया आपका कथन है जैसे एक सिक्के के दो पहलू होते हैं हर पक्ष के फायदे और नुकसान होते हैं वैसे भी N-LIST, ई जर्नल के फायदे और नुकसान होते हैं, पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंत में डॉ– आजाद ने खोज तकनीक आसान तथा एडवांस सर्च को भी समझाया। पूरा व्याख्यान सिद्धांत और व्यावहारिक रूप में समझाते हुए छात्राओं के अनेक प्रश्नों को विस्तार से समझाया गया।

11/01/23 पुस्तकालय को "सफलता का विकल्प मेहनत और केवल मेहनत होती है" जैसे प्रेरणात्मक वाक्य से डॉ–बी के तिवारी ने अपने व्याख्यान का आगाज किया। डॉ. तिवारी एस जी एस आई टी एस इंदौर के ग्रंथपाल हैं, आपने "पुस्तकालय के भौतिक सत्यापन" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

डॉ तिवारी ने कहा है कि पुस्तकालय का कार्य चुनौतीपूर्ण एवं व्यावहारिक होता है। पुस्तकालय की आत्मा– पुस्तकें कई भागों में विभक्त होती हैं। किताबें, पत्र पत्रिकाएं, जर्नल इत्यादि का निर्धारण भी पुस्तकालय में होता है डॉ तिवारी ने बताया। दैनिक आदान–प्रदान के अतिरिक्त, प्रति वर्ष पुस्तकालय का भौतिक सत्यापन अनिवार्य है सत्यापन क्यों जरूरी है? यह एक सरकारी प्रक्रिया है। सत्यापन की दो विधियों मैनुअल और ऑटोमेटेड विधि के बारे में भी बताया। भौतिक सत्यापन के समय पुस्तकालय में दैनिक आदान प्रदान की प्रक्रिया रोक दी जाती है। भौतिक सत्यापन से पुस्तकालय की सभी पुस्तकों की स्थिति की जानकारी प्राप्त हो जाती है, किस रूप में पुस्तक कहां है। भौतिक सत्यापन किन शासकीय नियमों के तहत किया जाता है इस पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला के चौथे दिन ऑनलाइन गूगल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्याख्यान हुए। इसके प्रथम सत्र में डॉ किशोर जॉन, प्राध्यापक, भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल ने "पुस्तकालय तकनीकी और आदान–प्रदान" जैसे विस्तृत विषय पर आप अपना व्याख्यान दिया। डॉ जॉन ने तकनीकी विभाग के बारे में बताया इस में मुख्यतः दो कार्य किए जाते हैं। पुस्तकों का उनकी विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण और दूसरा पुस्तकों का सूचीकरण। वर्गीकरण पद्धति में डीडीसी, कोलन क्लासिफिकेशन, लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस क्लासिफिकेशन जैसी पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पुस्तकालय की सूचीकरण की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ एस आर रंगनाथन कृत सूचीकरण के वर्गीकरण की जानकारी दी विभिन्न पद्धतियों को समझाने के बाद AACR&2 तथा RDA की विचारधारा की भी जानकारी दी।

डॉ जॉन के व्याख्यान का दूसरा पक्ष "आदान–प्रदान" पर आधारित था इसमें उन्होंने पंजीयन, चार्जिंग डिस्चार्ज इन रिनुअल रिकॉल आदि के बारे में बताया। व्याख्यान के अंत में वर्तमान युग में इनफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के युग में RFID के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला के चतुर्थ दिवस के दूसरे सत्र में डॉ राकेश खरे जो ग्रंथपाल और प्रोफेसर हैं ने "पुस्तकालय में कंप्यूटर का उपयोग" विषय पर व्याख्यान दिया।

आपने बताया पहले पुस्तकालय सूचनाओं का भंडार ग्रह होते थे जहां भविष्य के लिए पुस्तकों को एकत्रित करके रखा जाता था। परंतु वर्तमान काल इंफॉर्मेशन और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का युग है इसमें पुस्तकालय का कार्य कंप्यूटर से किया जाता है साथ ही "कोर तकनीकों" का उपयोग भी करते हैं पुस्तकालय के प्रमुख पांच विभाग जो अधिग्रहण तकनीक, आदान–प्रदान, पत्र–पत्रिका विभाग, संदर्भ विभाग है – के संपूर्ण कार्य कंप्यूटर के माध्यम से कैसे किए जाते हैं इसकी विस्तृत जानकारी डॉक्टर खरे ने दी।

ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC) का उपयोग पुस्तकालय में कैसे किया जाता है। इसके साथ सामायिक चयन सेवा, ई संसाधन जिसमें ओपन एक्सेस तथा व्यवसाय ई संसाधन आते हैं तथा अंतर पुस्तकालय ऋण के बारे में छात्राओं को विस्तारपूर्वक समझाया।

पांचवा दिन "पुस्तकालय पेशेवर कौशल विकास" पर डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के सहायक प्राध्यापक, डॉ महेंद्र कुमार ने अपना व्याख्यान ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से दिया। डॉ महेंद्र ने बताया परिवर्तन स्वामाविक है और पुस्तकालय विज्ञान भी इससे अछूता नहीं है। परंपरागत पुस्तकालय अब आधुनिक पुस्तकालय में बदल गए हैं जिसमें प्रत्येक कार्य कंप्यूटर के माध्यम से होता है इसलिए आज प्रत्येक विद्यार्थी और प्रोफेशनल को सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटर की जानकारी, इसका ज्ञान अवश्य होना चाहिए। ग्रंथपाल और विद्यार्थियों को लगातार अप टू डेट रहना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि लगातार सॉफ्टवेयर ट्रेनिंग लेते रहें । इससे ग्रंथपाल भय मुक्त होकर कार्य करेगा। मनोवैज्ञानिक रूप से व्यवहार में परिवर्तन होना चाहिए, सभी विजन और लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। एक तरह से अन्य माध्यमों से सभी को कौशल विकास करते रहना चाहिए।

डॉ महेंद्र ने अंत में कुछ सुझाव भी दिए जिसमें प्रमुख है ग्रंथपाल लगातार विभिन्न पुस्तकालयों का भ्रमण करें और अपने पाठ्यक्रम को समयानुसार लगातार परिवर्तित करें डॉ महेंद्र ने पुस्तकालय विज्ञान के जनक के "जीरो अवधारणा" का उल्लेख किया जो पेशेवर कौशल विकास पर आज भी लागू होती है।

कार्यशाला के अंतिम दिवस जो समापन सत्र भी था, पर "पुस्तकालय में पुस्तकों का चयन एवं अधिग्रहण" विषय पर डॉ स्वर्णलता चतुर्वेदी, सेवानिवृत्त ग्रंथपाल का व्याख्यान हुआ। मैडम का व्याख्यान नियमों के साथ ही

व्यावहारिक अनुभवों से ओतप्रोत था। पुस्तकों का चयन इस तरीके से किया जाना चाहिए कि सीमित बजट में संस्था के पुस्तकालय संबंधी विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति हो, साथ ही विद्यार्थियों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो। उनके ज्ञान में वृद्धि हो। पाठ्य सामग्री कितनी प्रकाशित हो रही है और संस्था के हित में क्या है इसको ध्यान में रखना ही– पुस्तक चयन का उद्देश्य है । पुस्तकालय कितना समृद्ध है यह पुस्तक चयन पर निर्भर करता है, किन पुस्तकों को प्राथमिकता देना, कितनी मात्रा में पुस्तक क्रय करना है। पुस्तक चयन की तीन पद्धतियां है जो आज भी समसामायिक हैं। डॉ चतुर्वेदी ने पुस्तकालय बजट पर भी विस्तार से विचार रखे और बजट विभाजन की ABC 3 कैटेगरी का उल्लेख किया। विभिन्न चरणों की औपचारिकता पूर्ण कर "मानव रूप में पुस्तक" पुस्तकालय में पुस्तक स्थान प्राप्त कर, पुस्तकालय को समृद्ध बनाती है। "अधिग्रहण विभाग" की जानकारी देते हुए डा चतुर्वेदी ने बताया पुस्तकालय में पुस्तक के आने पर आदेश एवं बिल से मिलान करना चाहिए। आपूर्ति में विसंगतियां हो तो नियमों अनुबंध की स्वीकृति शर्तों के अनुसार कार्यवाही करना चाहिए। अन्य पक्षों की औपचारिकताओं को पूर्ण कर पुस्तक एक माह में विद्यार्थियों के पास पहुंच जाना चाहिए। डा चतुर्वेदी ने पुस्तकालय के स्थाई अभिलेख परिग्रहण पंजिका संबंधी जानकारी भी प्रदान की। इस तरह पुस्तकालय निरंतर विकास करते हैं क्योंकि पुस्तकालय एक "वर्धनशील संस्था" है के साथ मैडम का व्यावहारिक अनुभवजन्य व्याख्यान समाप्त हुआ।

समापन सत्र के अंत में कार्यशाला की संयोजिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. निशा मोदी ने कार्यशाला आयोजित करने के उद्देश्य बताएं एवं संपूर्ण कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ के मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में पंजीकृत समस्त छात्राओं को प्राचार्य मैडम, मुख्य अतिथि एवं पुस्तकालय स्टाफ द्वारा प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। उत्कृ ष्ट छात्रा के रूप में आयुषी मालवीय को सम्मानित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न समिति में योगदान देने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। प्राचार्य मैडम ने कार्यशाला को बहुत उपयोगी बताया तथा छात्राओं और संस्था के अकादमिक विकास में कार्यशाला का योगदान किस तरह महत्वपूर्ण है, इस पर भी प्रकाश डाला। पुस्तकालय विभाग की छोटी सी टीम को बहुत अच्छी कार्यशाला पूर्ण करवाने की बधाई दी।

आभार सह संयोजिका श्रीमती शोखी गुप्ता द्वारा दिया गया। छात्राओं ने अपने फीडबैक में बतलाया अब तक जो किताबों में पढ़ा उसका व्यवहारिक पक्ष कार्यशाला से सीखा जो हमारे ज्ञान के क्षेत्र में मील का पत्थर बन गया है। और निश्चित ही यह कार्यशाला हमारे लिए भविष्य में रोजगार प्राप्त करने में बहुत सहायक होगी।

किताबों की जुबाँ – सफदर हाशमी

किताबें करती हैं बातें
बीते जमानो की,
दुनिया की, इंसानों की,
आज की कल की,
एक–एक पल की,

खुशियों की, गमों की,
फूलों की, बमों की,
जीत की, हार की,
प्यार की, मार की

क्या तुम नहीं सुनोगे
इन किताबों की बातें?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं,
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।

'सफदर हाशमी' की यह कविता किताबों को जुबां देने जैसी है।"

Nmodi
डॉ निशा मोदी
(संयोजक एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ. चंदा तलेरा जैन
(प्राचार्य और संरक्षक)

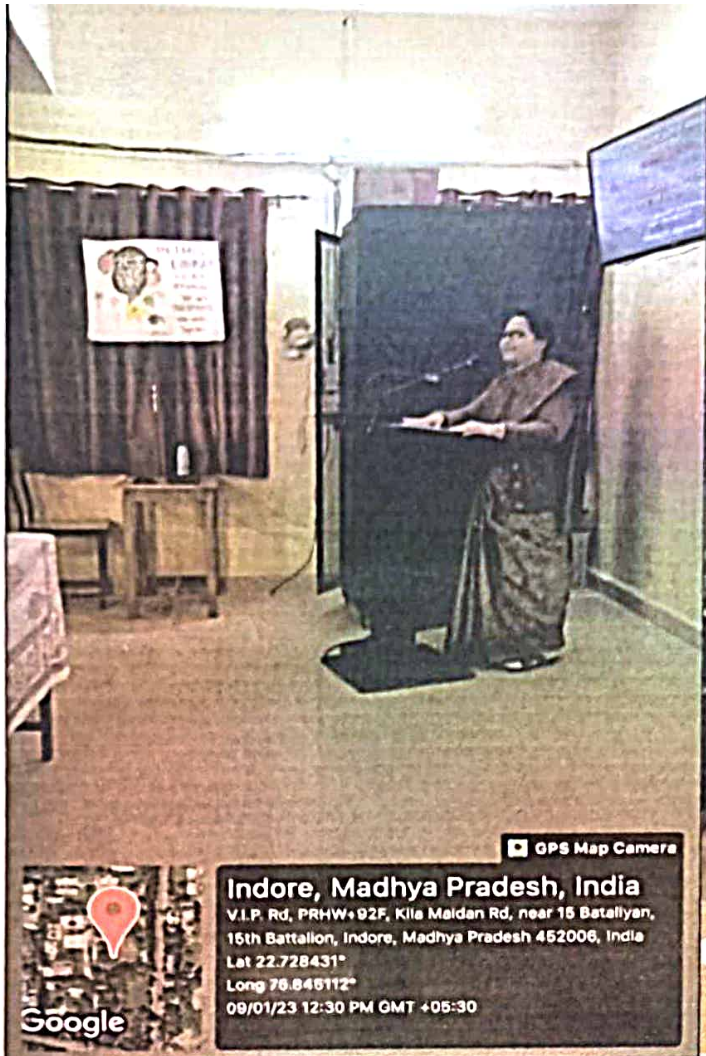
GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan,
15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728431°
Long 75.845112°
09/01/23 12:30 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan,
15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728431°
Long 75.845113°
09/01/23 12:08 PM GMT +05:30
Google

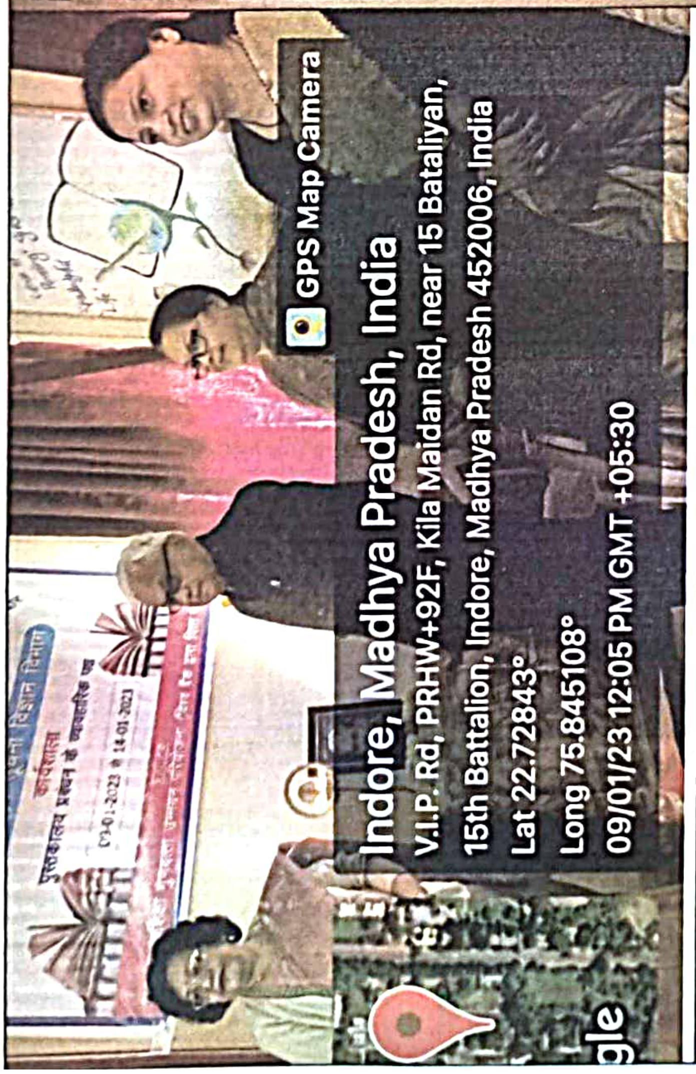
GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan,
15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.72843°
Long 75.845108°
09/01/23 12:05 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
PRHW+92F, 15th Battalion, Indore, Madhya
Pradesh 452006, India
Lat 22.728866°
Long 75.845084°
09/01/23 12:15 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan, 15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728322°
Long 75.845192°
10/01/23 12:12 PM GMT +05:30
Google

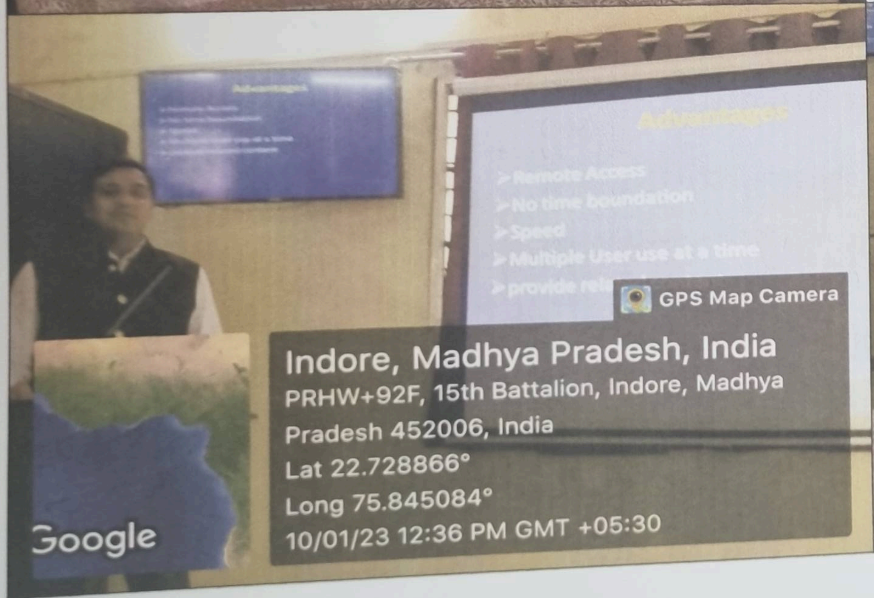
Advantages
GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
PRHW+92F, 15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728866°
Long 75.845084°
10/01/23 12:36 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan,
15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728225°
Long 75.845192°
12/01/23 12:31 PM GMT +05:30
Google

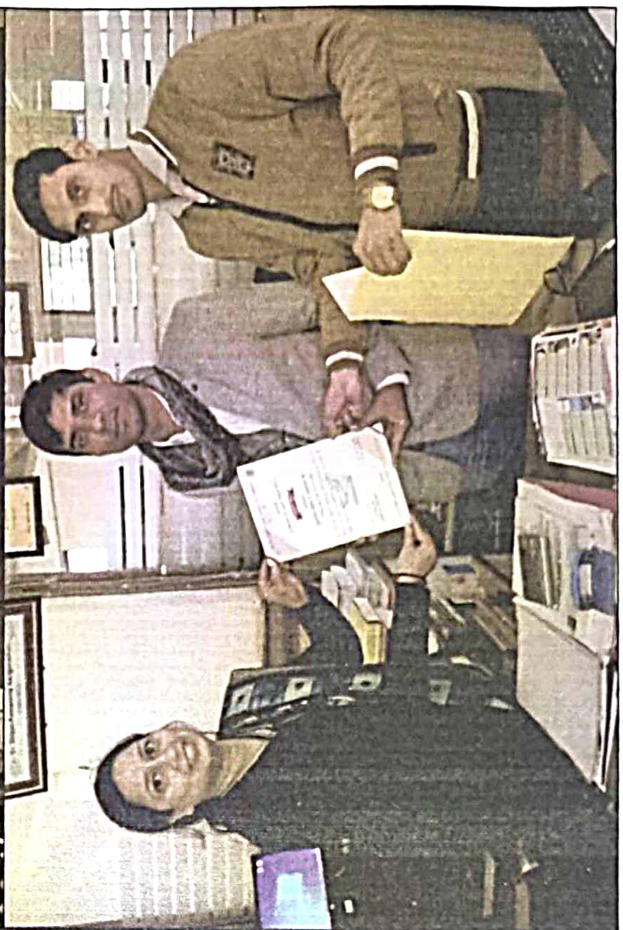

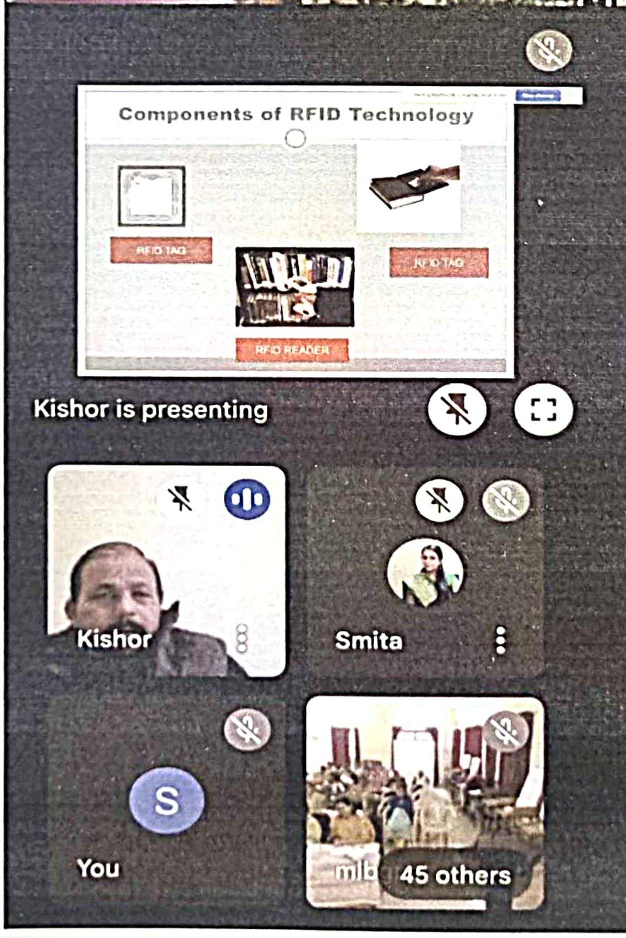
Components of RFID Technology
RFID TAG
RFID TAG
RFID READER
Kishor is presenting
Kishor
Smita
You
45 others

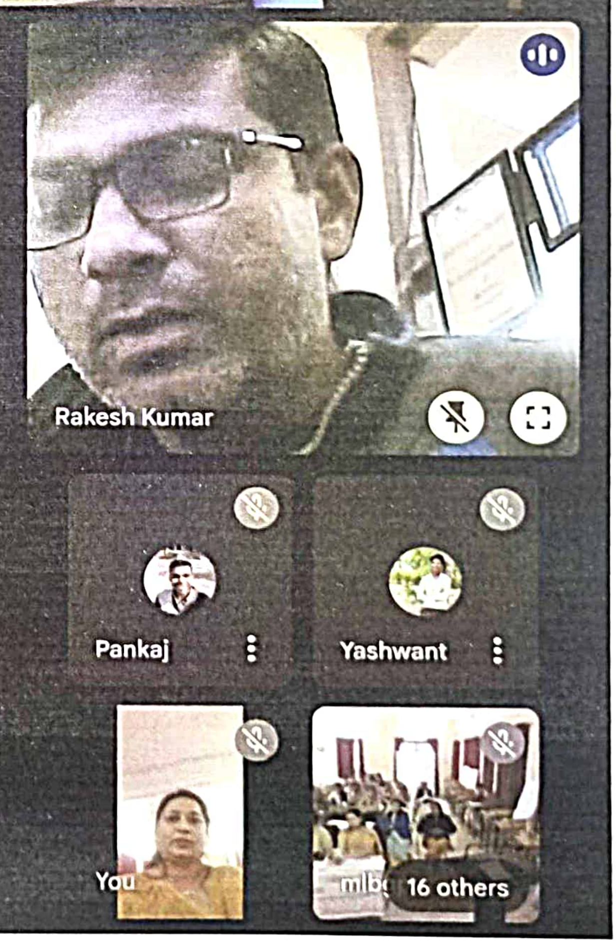
Rakesh Kumar
Pankaj
Yashwant
You
16 others

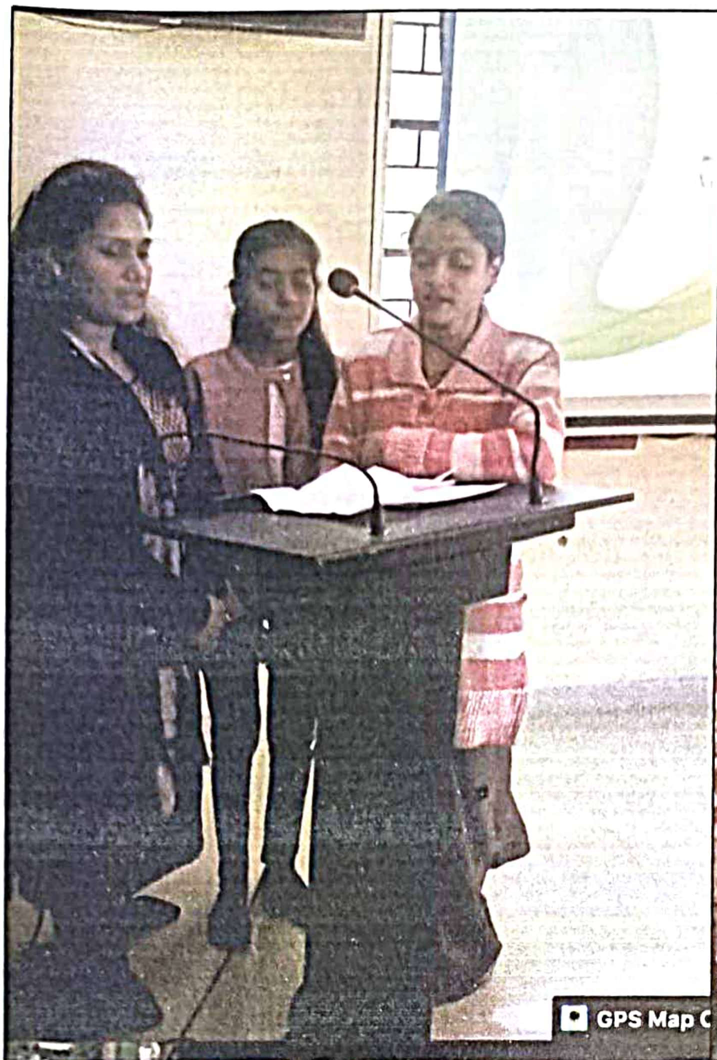

14-01-2023
GPS Map Camera
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan,
15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728425°

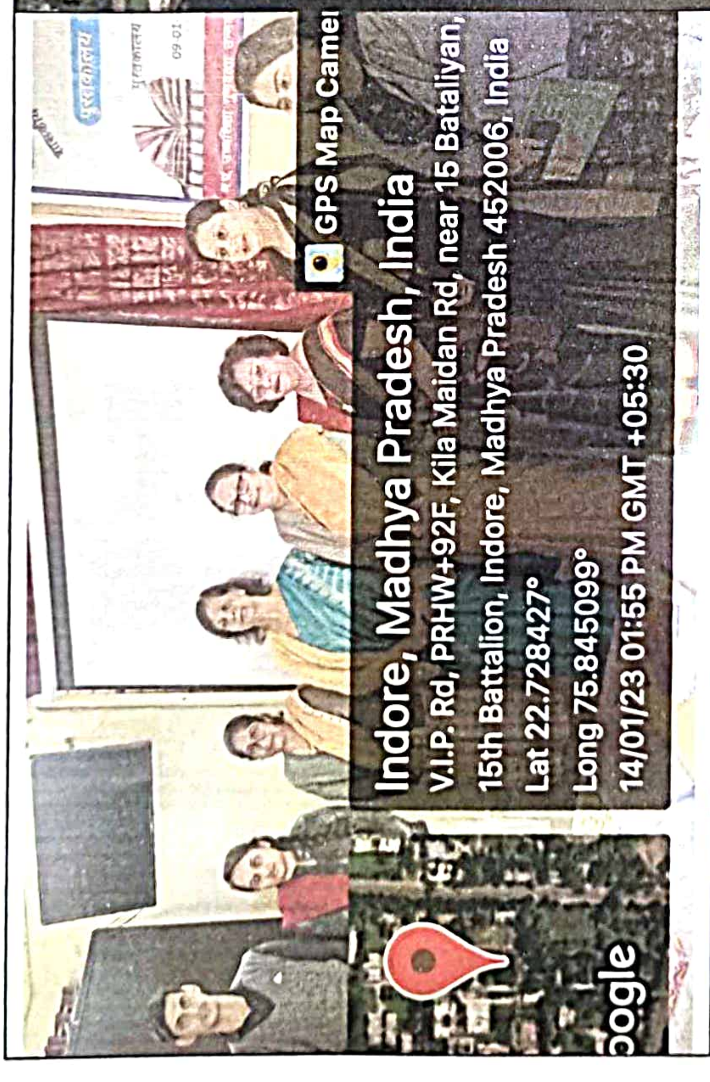
Indore, Madhya Pradesh, India
V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan,
15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728427°
Long 75.845099°
14/01/23 01:55 PM GMT +05:30

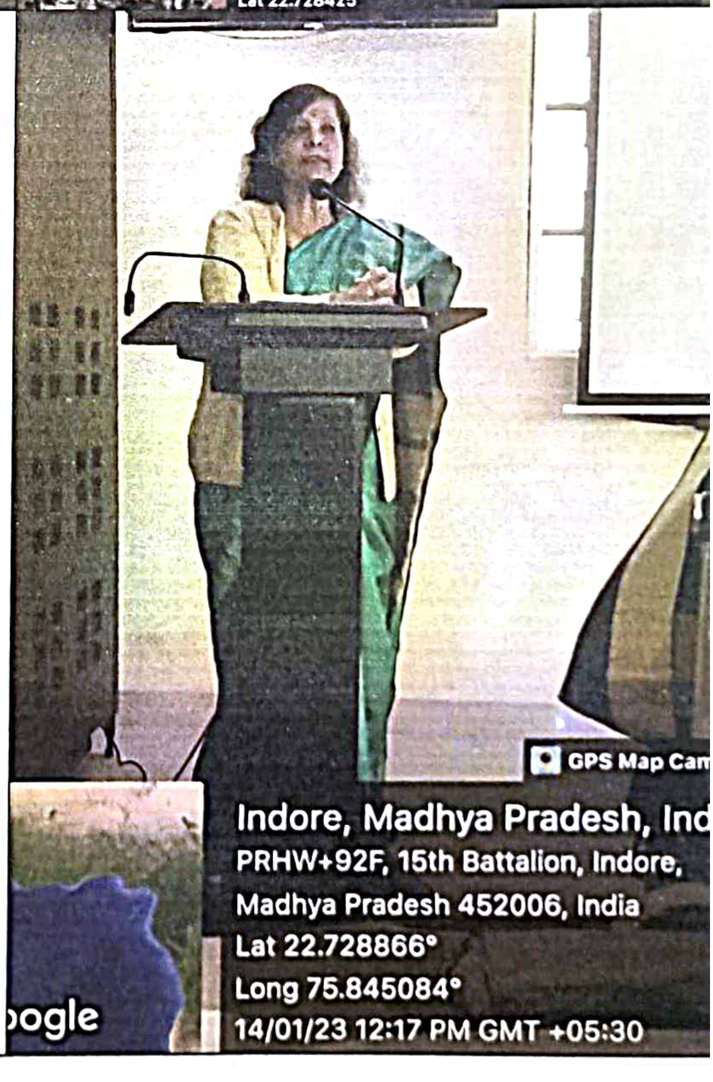
PRHW+92F, 15th Battalion, Indore,
Madhya Pradesh 452006, India
Lat 22.728866°
Long 75.845084°
14/01/23 12:17 PM GMT +05:30